Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 49–2024] CHANDIGARH, TUESDAY, DECEMBER 3, 2024 (AGRAHAYANA 12, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 25 नवम्बर, 2024

संख्या 12/250–2024/पुरा/4032-39.— चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणाा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हों, के साथ जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
गुमट बिहारी स्थित गुम्बद 18वीं शताब्दी	गुमट बिहारी स्थित गुम्बद 18वीं शताब्दी	गुमट बिहारी	नगीना नूंह	लाल डोरा	11644 वर्ग फुट पूर्व– 82 फुट पश्चिम–82 फुट उत्तर–63 फुट दक्षिण–79 फुट	ग्राम पंचायत	यह मकबरा चौकोर वास्तुनक्शा पर बनाया गया है, जो पठान वास्तुकला की एक लोकप्रिय शैली है। यह मकबरा शैली में अद्वितीय है, जिसकी ऊपरी संरचना के लिए मंच के रूप में एक विशाल मेहराबदार तहखाना है। इसमें ऊँचे बल्बाकार गुंबद की परिधि के चारों ओर बुर्ज भी हैं, जिसमें एक अष्टकोणीय ड्रम आधार के ऊपर कमल पंखुड़ी बनाया

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
							गया है। मकबरे के बाहरी हिस्से को ईंटों से सविस्तार में सजाया गया है, जिसमें मेहराबदार दरवाजे और पैरापेट के साथ दरवाजे के स्तर से ऊपर की जगहें हैं।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 25th November, 2024

No. 12/250-2024/pura/4032-39.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below, to be protected archaeological sites and remains specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, from any person with respect to the proposal which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh before the expiry of the period so specified: -

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Gumbad at Gummat Bihari, 18th Century CE	Gumbad at Gummat Bihari, 18th Century CE	Gummat Bihari	Nagina Nuh	Lal dora	11644 sqft. East- 82 ft. West- 82 ft. North- 63 ft. South- 79 ft.	Gram Panchayat	The tomb is built on a square plan, a popular style of Pathan architecture. The tomb is unique in style having a huge arched basement as platform for the upper structure. It has also turrets along the circumference of high bulbous dome with a lotus finial resting on an octagonal drum-base. The exterior of the tomb is decorated and detailed in brickwork, with niches above door level along with arched doorways and parapet.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.

11440—C.S.—H.G.P., Pkl.